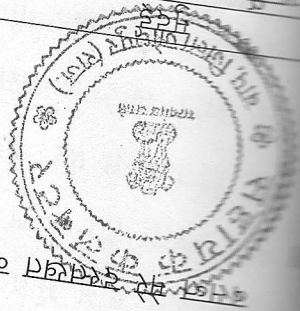


मुद्रापत्र	कपया	पैसे	मुद्रापत्र नाम	रुपय अर्जा	महानगर वकील	खर्चा बाहन	फ्रीस कमीशनर	बाबत डेप्युटी इन्स्पेक्टर	मुक्तकालिक	मिजान
पैसे	कपया	पैसे	कपया	पैसे	कपया	पैसे	कपया	पैसे	कपया	पैसे

(मुद्रापत्र) १२२ (२२२)
 १-१२



फ्रीस सदी सालाना आज की तारीख
 को अदा करे।

मुकदमा संख्या: - 66/2019
 आज वारी व मुहर अदालत के आज तारीख 06 माह 11 सन 2019 जासी की
 बाबत

88 आर.टी.एक्ट

1. सकीयत पति हसनदीन
 पि. रमजानखा जाति सिन्धी
 मुखलमान निवासी भोवली का गाव
 तहसील बाप जिला जयपुर

हिगरी बर्मुकदम इलादाई

अज अदालत सहायक कलक्टर कोर्ट बाप
 (आदेश 21 नियम 6, 7 जाबा दीवानी)
 बडवलस पीठरानि अधिकारी श्री महावीर सिंह (आर.ए.एस.)
 प्रतिवादी

1. तहसीलदार बाप

न्यायालय सहायक कलक्टर बापू जिला-जोधपुर
 बड़वलस पीठासीन अधिकारी श्री महावीर सिंह (आर.ए.एस.)

वादिनी
 वनाम
 1. सफीयत पति हासमदीन
 पि. रमजानखा जालि सिन्धी
 मुखलमान निवासी भीवजी का गांव
 तहसील बापू जिला जोधपुर

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 15एए राजस्थान कायदेकारी अधिनियम

राजस्व वाद संख्या:- 66/2019

उपस्थित अधिवक्ता :-

1. वादीनी की और से वकील श्री राजेन्द्रसिंह साँलकी प्रतिवादी प्रेकार सरकार



निर्णय

दिनांक:- 06.11.2019

उद्देश्यदा भीम ग्राम भीवजी का गांव पटवारक्षेत्र घटोर खसरा नंबर 4/27 रकबा 54.18
 वा भीम स्थित है। उक्त भीम पूर्व खातेदार से जयि पजीबद्ध विक्रय पत्र के खरीद की
 वही दिन मौके पर चलकर पूर्व खातेदार विक्रता ने वादिनी को कब्जा मौके पर सुपुर्दे
 दिया था। लेकिन खसरा नंबर 4/27 रकबा 54.18 बीघा में पटवारी हक्का द्वारा
 नत्करण संख्या 448 मौजा भीवजी का गांव भरेते समय सरासर गलत तरीके से उक्त
 नत्करण के कॉलम संख्या 9 में वादिनी को गैरखातेदार दर्ज कर दिया। जबकि
 वादिनी ने उक्त भीम खरीद की थी उस समय उक्त भीम पूर्व खातेदार विक्रता के नाम
 नत्करण नामान्तरकरण संख्या 448 के जयि उक्त भीम वादिनी के
 सरासर गलत तरीके से गैर खातेदार दर्ज कर दी। इसलिये वादिनी ग्राम भीवजी का
 नत्करण संख्या 4/27 रकबा 54.18 बीघा भीम में गैर खातेदारी से खातेदारी की
 करवाने का अधिकारी है।

वादिनी का वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जयि समन तलब किया
 जाते बाद तामिल प्राप्त होने पर प्रतिवादी प्रेकार सरकार जवाब प्रस्तुत किया जा

शामिल मिलल किया गया। प्रतिवादी प्रोकार ने जवाब में बताया कि वादिनी के नाम खरीदसूदा उक्त भूमि पर किसी प्रकार का कोई भू-राजस्व बकाया नहीं होने से वादिनी को खरीदार से खतदार दर्ज किया जाना उचित है। चूंकि वादिनी के बाद का प्रतिवादी की तरफ से कोई प्रतिरोध नहीं होने से पत्रावली में तनकीयात कायम किये जाने की आवश्यकता नहीं है। वकील वादिनी साक्ष्य पेश नहीं करना चाहते हैं इसलिए वादिनी को साक्ष्य बंद की जाती है। पत्रावली अन्तिम बहस में रखी गई।

वकील वादिनी ने अपनी बहस में बाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम भीवली का गांव पटवार मण्डल पटार तहसील बाप के खसरा नंबर 4/27 रकबा 54.18 बीघा भूमि वादी को जरिये पंजीबद्ध विक्रय पत्र के खरीद की थी। लेकिन पत्र तारीक से उक्त नामान्तरकरण संख्या 448 मौजा भीवली का गांव भरते समय सरासर

कर दिया। जबकि पूर्व खतदार विकला के नाम खतदारी में दर्ज थी। इसी अनुसार वादिनी को खरीदार से खतदार घोषित किये जाने के आदेश फरमावे। वकील वादिनी ने अपनी बहस के समर्थन हेतु न्यायालय द्वारा पारित निर्णय की प्रतियां पेश कि जो निम्न

निर्णय दिनांक 20.06.2014 अनवान नवीयत बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 10.08.2016 अनवान धनी बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 14.02.2018 अनवान जमुखा

बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 28.12.2018 अनवान खुशालसिंह बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 08.01.2019 अनवान नूर खारू बनम तहसीलदार बाप।

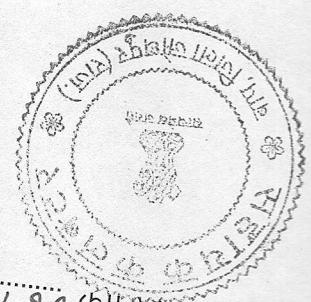
प्रतिवादी सरकारी प्रोकार ने अपनी बहस में बताया कि वादिनी को नियमानुसार खतदार से खतदार काहतकार घोषित किया जाना उचित है।

वकीलय पक्षकारन की बहस सुनी जाकर पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात, नामान्तरकरण संख्या 448 मौजा भीवली का गांव व चार्ले जमाबंदी संवत 2071-2074 एवं

तहसीलदार का जवाब का अवलोकन किया जिससे यह साबित है कि उक्त वादपत्रत भूमि नंबर 4/27 रकबा 54.18 बीघा भूमि का विक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरकरण संख्या 449 मौजा भीवली का गांव भरा जाकर स्वीकृत हुआ। उक्त नामान्तरकरण में

वादिनी को खरीदार के रूप में दर्ज कर दिया गया। जो वर्तमान में भी वादिनी के नाम में खरीदारी दर्ज है। जिस समय उक्त भूमि वादिनी ने खरीद की उस समय उक्त

(बाप (बापपुर)
 महादेव कपूर
 महादेव कपूर
 (महादेव सिंह)
 [Signature]



निर्णय आज दिनांक 06.11.2019 को खूले न्यायालय में सुनाया गया।

आदेश
 बाद वादिनी स्वीकार किया जाता है कि आम भीवनी का गांव पटवार क्षेत्र घटौर के
 4/27 रकबा 54.18 बीघा भूमि में वादिनी को गैर खातेदार से खातेदार
 का रिकार्ड धारित किया जाता है। तहसीलदार बाप वादिनी के नाम बकाया राजस्व मांग
 करते हैं तो) जमा करवाकर खातेदारी अधिकारों का नामान्तरकरण खोल कर राजस्व रिकॉर्ड
 में अमल दरमाद कर आदेश की पालना करें। इसी पर्या अलग से जारी हो। पञ्जाबी
 न्याय आल दिनांक 06.11.2019 को खूले न्यायालय में सुनाया गया।

आदेश

मुझे पूर्व खातेदारों के नाम खातेदारी में दर्ज थी जो विक्रय पत्र से प्रमाणित है। उक्त भूमि
 पर वर्तमान में वादिनी का कब्जा काबूत है तथा उक्त भूमि पर किसी प्रकार का कोई
 भू-राजस्व बकाया नहीं है। इसी अनुसार वादिनी को गैरखातेदार से खातेदार धारित किया
 जाना न्यायोचित है। वादिनी का बाद स्वीकार किये जाने योग्य होने से स्वीकार किया
 जाता है।

